UNITED NATIONS INFORMATION CENTRE
55, Lodi Estate, New Delhi - 110 003

मानवाधिकार दिवस

10, दिसम्बर 2011

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की–मून का संदेश

मानवाधिकारों पर हम सब का हक़ है और उसमें कोई अपवाद नहीं है। लेकिन जब तक हम उन्हें जानेंगे नहीं, जब तक हम उनका सम्मान किए जाने की मांग नहीं करेंगे, और जब तक हम उनका उपभोग करने के अपने–और दूसरों के–अधिकारों की रक्षा नहीं करेंगे, तब तक वे दशकों पुराने दस्तावेज़ में महज़ शब्द बन कर सिमटे रहेंगे।

इसीलिए मानवाधिकार दिवस पर, हम 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुमोदन का उत्सव मनाने के अलावा आज भी उसकी चिरंतन उपयोगिता को स्वीकार करते हैं।

मानवाधिकारों का महत्व इस वर्ष बार–बार उजागर हुआ है। दुनिया भर में लोग न्याय, गरिमा, समानता, और भागीदारी की मांग करने के लिए एकजुट हुए हैं और सार्वभौम घोषणा के तहत उन्हें यह सब पाने का अधिकार है।

इनमें से अनेक, शांतिपूर्ण प्रदर्शन, हिंसक प्रतिरोध और दमन के बावजूद अपने लक्ष्य पर डटे रहे। कुछ देशों में संघर्ष जारी है; जबकि कुछ देशों में महत्वपूर्ण रियायतें मिली हैं या तानाशाहों का पतन हुआ है और जनता की इच्छा जीती है।

अपनी वैध आकांक्षाओं को हासिल करने के लिए बेताब बहुत से लोगों को सामाजिक माध्यमों ने जोड़ा है। अब वे दिन नहीं रहे जब दमनकारी शासन सूचना के प्रवाह पर अंकुश लगा लेते थे। आज तो मिलने–जुलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों का सम्मान करने के अपने दायित्वों के तहत सरकारें, आलोचना और सार्वजनिक बहस से बचने के लिए इंटरनेट और दूसरे सामाजिक मीडिया तक पहुंच को रोक नहीं सकतीं।

हम जानते हैं कि अब भी दुनिया में दमन बहुत है; कानून से बचने के रास्ते बहुत हैं; अब भी ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके अधिकार साकार नहीं हो पाए हैं। फिर भी मानवाधिकारों की दृष्टि से इस असाधारण वर्ष के अंत में आइए 2011 की उपलब्धियों से शक्ति लें; नए लोकतांत्रिक शासन अंगड़ाई ले रहे हैं, युद्ध अपराधों और मानवता के प्रति अपराधों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए नए कदम उठाए गए हैं, अधिकारों के बारे में नई चेतना लगातार फैल रही है।

भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए, आइए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के उदाहरण और सार्वभौम घोषणा की सनातन शक्ति से प्रेरणा लें और प्रत्येक संस्कृति और प्रत्येक व्यक्ति के लिए सत्य, आदर्शों और आकांक्षाओं की रक्षा के लिए यथाशक्ति प्रयास करें।

***

Telephones: 24623439, 46532242 Fax: 91-11-24620293, 24628508
e-mail: unicindia@unicindia.org, www.unic.org.in